



उ० प्र० पावर कारपोरेशन अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट

14-अशोक मार्ग, शक्ति भवन (वि०), लखनऊ

Email id: cpfttrust.2004@gmail.com

Website- www.uppst.org

पत्र सं० 674 / 69 / सी०पी०एफ० ट्रस्ट / मा०वि०वि०नि०लि० / विकेन्द्रीकरण

दिनांक:- 11-05-2022

निदेशक (वित्त)

पूर्वांचल/पश्चिमांचल/मध्यांचल/दक्षिणांचल
विद्युत वितरण निगम लि०
वाराणसी/मेरठ/लखनऊ/आगरा।

प्रबन्ध निदेशक

कानपुर विद्युत आपूर्ति कम्पनी लि०
कानपुर।

विषय:- मा० न्यायालय द्वारा किसी वाद में निर्णय लिये जाने के फलस्वरूप विद्युत सेवा आयोग द्वारा कार्मिकों का चयन निरस्त किये जाने की स्थिति में उनके सी०पी०एफ० खातों के अंतिमीकरण किये जाने के सम्बन्ध में।

कृपया उ०प्र० पावर कारपोरेशन अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट के कार्यालय ज्ञाप सं०-831/14/सी०पी०एफ० ट्रस्ट/सामान्य आदेश/01 दिनांक 07.07.2021 (छायाप्रति संलग्न) एवं तदुपरान्त उक्त कार्यालय ज्ञाप हेतु निर्गत स्पष्टीकरण कार्यालय ज्ञाप संख्या-395/14/सी०पी०एफ० ट्रस्ट/सामान्य आदेश/01 दिनांक 23.03.2022 (छायाप्रति संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा उ०प्र०पा०का०लि० अंशदायी भविष्य निधि नियमावली, 2004 के नियम-49 "Deductions" के बिन्दु सं०-(a) (i) एवं (a) (ii) में प्राविधानित व्यवस्था के सापेक्ष 05 वर्षों की सेवा अवधि पूर्ण करने से पूर्व त्यागपत्र/सेवा निरस्त इत्यादि की स्थिति में अंशदायी भविष्य निधि योजना से आवरित कार्मिकों के अन्तिम भुगतान प्रकरणों में नियोक्तांश एवं उस पर अर्जित ब्याज के भुगतान के सम्बन्ध में वस्तुस्थिति स्पष्ट की गयी है।

अग्रेतर अवगत कराना है कि मुख्य अभियन्ता (जल विद्युत), उ०प्र०पा०का०लि० द्वारा पत्रांक-548/अनु०-7/मु०अ० (हा०) /2018 दिनांक 26.05.2018 के माध्यम से मा० उच्च न्यायालय द्वारा वाद सं०-41750/2016 में पारित आदेश दिनांक 07.10.2017 के अनुपालन में विज्ञापन सं०-4/विसेआ/2014 के सापेक्ष चयनित 714 में से 692 टी०जी०-2 का चयन विद्युत सेवा आयोग द्वारा निरस्त किये जाने के फलस्वरूप उनके नियुक्ति आदेश निरस्त करने के आदेश पारित किये गये थे।

उक्त टी०जी०-2 कार्मिकों के सम्बन्ध में यह स्पष्ट किया जाता है कि उनके नियुक्ति निरस्तीकरण के आदेश दण्डस्वरूप निर्गत नहीं किये गये हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि विद्युत सेवा आयोग द्वारा मा० न्यायालय द्वारा किसी वाद में निर्णय पारित किये जाने के फलस्वरूप यदि कार्मिकों का चयन निरस्त किया जाता है, तो उसे दण्डस्वरूप निष्कासन नहीं माना जायेगा।

अतएव उपरोक्तानुसार निष्कासित कार्मिकों के सी०पी०एफ० खातों के अंतिमीकरण की कार्यवाही ट्रस्ट स्तर से निर्गत कार्यालय ज्ञाप सं०-831/14/सी०पी०एफ० ट्रस्ट/सामान्य आदेश/01 दिनांक 07.07.2021 के बिन्दु सं०-2 एवं सपठित कार्यालय ज्ञाप सं०-395/14/सी०पी०एफ० ट्रस्ट/सामान्य आदेश/01 दिनांक 23.03.2022 में प्राविधानित व्यवस्था के अनुसार की जायेगी।

संलग्नक: यथोपरि।

(ए०के० मुख्तार) 11/5
निदेशक (का०प्र० एवं प्रशा०),
उ०प्र०पा०का०लि० एवं ट्रस्टी

पत्र सं० /69/सी०पी०एफ० ट्रस्ट/मा०वि०वि०नि०लि०/विकेन्द्रीकरण/तददिनांक:-

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक (वित्त), उ०प्र०पा०का०लि०/उ०प्र०पा०ट्रां०का०लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
2. निदेशक (का०प्र० एवं प्रशा०), उ०प्र०पा०ट्रां०का०लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
3. निदेशक (कार्मिक एवं प्रबन्धन), मध्यांचल/पूर्वांचल/पश्चिमांचल/दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि०, लखनऊ /वाराणसी/मेरठ/आगरा।
4. समस्त कार्मिक ट्रस्टीज, उ०प्र०पा०का०लि० अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
5. सचिव, उ०प्र० पावर कारपोरेशन अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
6. उपमहाप्रबन्धक (वित्त एवं लेखा)/महाप्रबन्धक (लेखा एवं सम्प्रेक्षा), पूर्वांचल/पश्चिमांचल/मध्यांचल/दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि०, वाराणसी/मेरठ/लखनऊ/आगरा।
7. उपमहाप्रबन्धक (लेखा-प्रशासन), उ०प्र०पा०का०लि०, शक्ति भवन, लखनऊ।
8. समस्त उपमुख्य लेखाधिकारी, परिक्षेत्रीय लेखा कार्यालय (वितरण), मध्यांचल/पूर्वांचल/पश्चिमांचल/दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम।
9. लेखाधिकारी (सी०पी०एफ०), पूर्वांचल/पश्चिमांचल/मध्यांचल/दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि०/केस्को, वाराणसी/मेरठ/लखनऊ/आगरा/कानपुर।

10. सन्त लेखाधिकारी, उ०प्र०पा०का०लि० अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
11. सन्त लेखाधिकारी, परिसेत्रीय लेखा कार्यालय, पारेषण-उत्तर पूर्व/दक्षिण-पूर्व/दक्षिण-मध्य/पश्चिम/मध्य/दक्षिण-पश्चिम, गोलबपुर/प्रयनगर/झांसी/मेरठ/लखनऊ/आगरा।
12. लेखाधिकारी (मुख्यालय भुगतान), उ०प्र०पा०का०लि०/उ०प्र०पा०द्रा०का०लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
13. लेखाधिकारी (ता०प्र०), उ०प्र०पा०का०लि०, महानगर, लखनऊ।

(९०क० पुरवार)
निदेशक (का०प्र० एवं प्रशा०),
उ०प्र०पा०का०लि० एवं ट्रस्टी